doubtnut
India's Number 1 Education App

HINDI

BOOKS - X BOARDS

HINDI (COURSE A) 2020

Outside Delhi Set I

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पड़ोस समाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार

है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण सम गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता,

उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसा जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

सामाजिक जीवन में पड़ोस का क्या महत्त्व है?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पड़ोस समाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण सम गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध

रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसा जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

पड़ोसी के साथ संबंध रखना हमारे हित में किस तरह से है?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पड़ोस समाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण सम गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय

अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसा जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

हमें पड़ोसी से निभाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पड़ोस समाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण सम गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय

अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसा जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

'विश्वस्त सहायक' से क्या अभिप्राय है, पड़ोसी को विश्वस्त सहायक क्यों कहा गया है?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पड़ोस समाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण सम गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि

किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसा जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

लेखक ने विश्व-बंधुत्व की बात किस संदर्भ में की है?

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पड़ोस समाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण सम गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि

किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसा जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

View Text Solution

7. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

वीरों की ___ जीत होती है।

View Text Solution

8. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

बच्चे की _____ मनमोहक होती है।

View Text Solution

9. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

प्रत्येक का ____ महत्त्व होता है।

View Text Solution

10. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

_____ - लड़खड़ाने पर सहयोगी उसे सँभालते हैं।

View Text Solution

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी काहनी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे

थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु के शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

View Text Solution

12. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार

रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी काहनी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी

अपदार्थ वस्तु के शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

लेखक ने जिस अनुमान के लिए सेकंड क्लास का टिकट खरीदा था, वह गलत कैसे निकला?

View Text Solution

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी काहनी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से

प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु के शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

डिब्बे में बैठे सज्जन ने लेखक के आने पर क्या प्रतिक्रिया

व्यक्त की और लेखक ने उनके व्यवहार से क्या अनुमान लगाया?

View Text Solution

14. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

बादल, गरजो!

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के-से पाले,

विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!

वज्र छिपा, नूतन कविता

फिर भर दो

बादल, गरजो!

कवि बादलों से क्या आग्रह कर रहा है और क्यों?

View Text Solution

15. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

बादल, गरजो!

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के-से पाले,

विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!

वज्र छिपा, नूतन कविता

फिर भर दो

बादल, गरजो!

बादलों का सौंदर्य स्पष्ट करते हुए बताइए कि उनकी तुलना किससे की गई है?

View Text Solution

16. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

बादल, गरजो!

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के-से पाले,

विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!

वज्र छिपा, नूतन कविता

फिर भर दो

बादल, गरजो!

कवि के अनुसार नूतन कविता कैसी होनी चाहिए?

View Text Solution

17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

प्लास्टिक मुक्त भारत

- हानियाँ
- विकल्प क्या हो
- किए जा रहे प्रयास

View Text Solution

18. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

आत्मविश्वास और सफलता

• आत्मविश्वास से तात्पर्य

• आत्मविश्वास सफलता के लिए क्यों आवश्यक

• अहंकार और आत्मविश्वास में अंतर

View Text Solution

19. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

मातृभाषा के प्रति अभिरुचि

• मातृभाषा से तात्पर्य

• घटती रुचि के कारण

• रुचि कैसे बढ़े

View Text Solution

20. स्वरचित कविता प्रकाशित करवाने के लिए अनुरोध करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

21. आपके मित्र के पिता सीमा पर शहीद हो गए। अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए मित्र को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

View Text Solution

22. टूथपेस्ट बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

23. पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Outside Delhi Set I निर्देशानुसार उत्तर लिखिए

1. उसके एक इशारे पर लड़कियाँ कक्षा से बाहर निकलकर नारे लगाने लगीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. उन्होंने जेब से चाकू निकाला और खारा काटने लगे। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. हालदार साहब को उधर से गुजरते समय मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. बालगोबिन भगत जानते थे कि अब बुढ़ापा आ गया है।

(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)

View Text Solution

Outside Delhi Set I निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

1. माँ द्वारा भिखारी को भोजन दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

2. वह कालीन बुनता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

3. आओ, अब चलते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

4. पुलिस के द्वारा चेतावनी दी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

Outside Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए:

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए।

मत झुको अनय पर, भले व्योम ही फट जाए।

View Text Solution

2. श्रृंगार रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

3. क्रोध' किस रस का स्थायी भाव है?

View Text Solution

4. विभाव किसे कहते हैं?

View Text Solution

5. हास्य रस का स्थायी भाव क्या है?

View Text Solution

Outside Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 40 शब्दों में लिखिए

1. 'पानवाला एक हँसमुख स्वभाव वाला व्यक्ति है, परंतु उसके हृदय में संवेदना भी है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

View Text Solution

2. गर्मियों की उमस भारी शाम को भी बालगोबिन भगत किस प्रकार शीतल और मनमोहक बना देते थे?

View Text Solution

3. फादर बुल्के की मृत्यु से लेखक आहत क्यों था?

View Text Solution

4. मन्नू भंडारी के पिता ने अपनी आर्थिक विवशताएँ कभी बच्चों को क्यों नहीं बताईं होंगी?

View Text Solution

5. बिस्मिल्ला खाँ जीवनभर ईश्वर से क्या माँगते रहे और क्यों? इससे उनकी किसी विशेषता का पता चलता है?

View Text Solution

Outside Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 40 शब्दों में लिखिए

1. परशुराम विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत किन शब्दों में करते हैं?

View Text Solution

2. छाया मत छूना' कविता में 'जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

View Text Solution

3. यह दंतुरित मुसकान' कविता में 'बाँस और बबूल' किसके प्रतीक हैं?

View Text Solution

4. कन्यादान' कविता में माँ की सोच परंपरागत माँ से कैसे भिन्न है?

View Text Solution

5. संगतकार की आवाज में हिचक क्यों सुनाई देती है?

View Text Solution

Outside Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 60 शब्दों में लिखिए

1. भोलानाथ संकट के समय में अपने पिता के पास न जाकर माता के पास क्यों जाता है? 'माता का अंचल' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

2. इंग्लैंड की महारानी के हिंदुस्तान आगमन पर अखबार क्या-क्या छाप रहे थे और रानी के आने के दिन वे चुप क्यों रह गए?

View Text Solution

3. सेवन सिस्टर्स वाटर फॉल' को देख लेखिका ने अपनी भावनाओं को कैसे अभिव्यक्त किया है? 'साना-साना हाथ जोड़ि ....' पाठ के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

Outside Delhi Set Ii निर्देशानुसार उत्तर लिखिए

1. जैसे ही बत्ती हरी हुई वैसे ही सारे वाहन चल पड़े। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. वे दिल्ली में बीमार रहे और पता नहीं चला। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. वे रिश्ता बनाकर तोड़ते नहीं थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. शंकुलता ने जो कटु वाक्य दुष्यंत को कहे, वह इस पढ़ाई का ही दुष्परिणाम था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

View Text Solution

Outside Delhi Set Ii निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

1. दुकानदार द्वारा उचित मूल्य लिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

2. महात्मा गाँधी ने राष्ट्र को शांति और अहिंसा का संदेश दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

3. मच्छरों के कारण हम रातभर सो न सके। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

4. गाइड द्वारा हमें सब कुछ समझा दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

Outside Delhi Set Ii

1. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

____ दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

View Text Solution

2. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

___, तुमने अच्छा काम किया।

View Text Solution

3. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

शिक्षक के साथ __ शिष्य भी आता है।

View Text Solution

4. वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

___ किस कक्षा में पढ़ते हो?

View Text Solution

5. नगर में बढ़ती भीड़-भाड़ के कारण परिवहन की जटिल समस्या के हल के लिए सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

6. वाद-विवाद प्रतियोगिता में पहली बार भाग लेने तथा पुरस्कार पाने का अनुभव बताते हुए अपने मित्र को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

7. अपने मुहल्ले में एक संगीत संध्या का आयोजन होने जा रहा है। इसके अधिकाधिक के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

8. मोबाइल रिपेयर' नाम से सब प्रकार के मोबाइलों को ठीक करने का दावा करने वाली एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Outside Delhi Set Ii प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए:

हाथ में घाव थे चार

थी उनमें मवाद भरमार

मक्खी उन पर भिनक रही थी

कुछ पाने को ढूट पड़ी थी।

उसी हाथ से कौर उठाता

घृणा से मेरा मन भर जाता।

View Text Solution

2. वीर रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

Outside Delhi Set Iii निर्देशानुसार उत्तर लिखिए

1. जादुगर का जादू देखकर दर्शक दंग रह गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. नवाब साहब ने तौलिया झाड़ा और सामने बिछा लिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. खीरे के स्वाद के आनंद में नवाब साहब की पलकें मुँद आईं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. मैं नहीं जानता कि _____ ।

(रेखांकित उपवाक्य भेद लिखिए)

View Text Solution

Outside Delhi Set Iii निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

1. बस की खिड़की से न झाँकें। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

2. धर्मगुरु ने कामिल बुल्के की बात मान ली। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

3. तुम पढ़ क्यों नहीं सकते? (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

4. उससे उठा-बैठा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

Outside Delhi Set Iii

1. वाक्यों में रेखाकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

पानवाला ___ पान खा रहा था।

View Text Solution

2. वाक्यों में रेखाकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

__ साइकिल मेरे बड़े भाई की है।

View Text Solution

3. वाक्यों में रेखाकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

_____ याद आती है।

View Text Solution

4. वाक्यों में रेखाकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

मधूर गान तो _____ सुनने को मिलते।

View Text Solution

Outside Delhi Set Iii प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए:

हाथी जैसे देह है, गैंडे जैसी खाल

तरबूजे-सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।

View Text Solution

2. अद्भुत रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

3. उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है?

View Text Solution

4. बिजली विभाग के अधिकारी को बिजली बिल की शिकायत करते हुए लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

View Text Solution

5. आप अंतर्विद्यालयी क्रिकेट के लिए अपने विद्यालय की टीम के कप्तान चुने गए हैं। इस आशय की सूचना देते हुए अपने पिताजी लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

6. विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

7. हेलमेट बनाने वाली एक कंपनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Delhi Set I

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि

उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफलता कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि इस स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्व्यं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन

व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है।

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-सा गुण आवश्यक है और क्यों?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि

उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफलता कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि इस स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्व्यं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन

व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है।

आत्मविश्वास क्यों आवश्यक है और कैसे जाग्रत हो सकता है?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि

उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफलता कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि इस स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्व्यं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन

व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है।

स्वावलंबन का सहोदर किसे कहा गया है और क्यों?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या

मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफलता कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि इस स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्व्यं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता

प्राप्ति का महामंत्र है।

स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण क्यों है?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफलता कैसे होंगे?

अत: आवश्यक है कि इस स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्व्यं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता

प्राप्ति का महामंत्र है।

'आत्मबल' के लिए क्या आवश्यक है?

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफलता कैसे होंगे?

अत: आवश्यक है कि इस स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्व्यं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता

प्राप्ति का महामंत्र है।

उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

View Text Solution

7. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

आजकल _____ तेजी से फैल रहा है।

View Text Solution

8. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

वक्त काटने के लिए खीरे _____ ।

View Text Solution

9. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

नवाब साहब ____ लेट गए।

View Text Solution

10. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

मेदा भी ____ कमजोर है।

View Text Solution

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपुर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीन-भर में मूति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला-यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल

गया होगा। उफ .....!

पानवाले के लिए क्या बात मजेदार थी और क्यों?

View Text Solution

12. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपुर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीन-भर में मूति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना

भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला-यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ .....!

हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था?

View Text Solution

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपुर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीन-भर में मूति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला-यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल

गया होगा। उफ .....!

हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने की क्या-क्या संभावनाएँ व्यक्त कीं?

View Text Solution

14. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपुर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।

ऊधो भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा ने जाहिं सताए॥

'इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।' में निहित व्यंग्य को समझाइए।

View Text Solution

15. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपुर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।

ऊधो भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा ने जाहिं सताए॥

श्रीकृष्ण द्वारा चुराए गए मन को वापस माँगने में निहित गोपियों की मनोव्यथा को स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

16. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपुर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।

ऊधो भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैँ आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा ने जाहिं सताए॥

गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म क्या है? उन्होंने 'राजधर्म' का उल्लेख क्यों किया है?

View Text Solution

17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती

- मनाने के उद्देश्य
- गांधीजी की जीवन
- आजादी के आंदोलन में भूमिका
- प्रासंगिकता

View Text Solution

18. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

महानगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो

- यातायात और भीड़भाड़
- प्रदूषण की समस्या
- मेट्रो रेल की भूमिका
- मेट्रो के लाभ

View Text Solution

19. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन

- ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण
- ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ
- बचाव के उपाय

View Text Solution

20. सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते हुए धूम्रपान तथा उसके कारण संभावित रोगों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

View Text Solution

21. आपके छोटे भाई/बहन ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसकों मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

22. नगर में आयोजित होने वाली भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हुए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

View Text Solution

23. प्रदूषण से बचने के लिए जनहित में जारी एक विज्ञापन पर्यावरण विभाग की ओर से 25-50 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

Delhi Set I निर्देशानुसार उत्तर लिखिए

1. पत्थर की मूर्ति पर चश्मा असली था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. मूर्तिकार ने सुना और जवाब दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी भी लिखिए)

View Text Solution

Delhi Set I निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

1. नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

2. दर्द के कारण वह खड़ा ही नहीं हुआ। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

3. परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया? (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

4. नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कहा कि खीरा लजीज होता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए-

उस काल मारे क्रोध के, तनु काँपने उनका लगा।

मानो हवा के जोर-से, सोता हुआ सागर जगा।

View Text Solution

2. वीर रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

3. शांत रस' का स्थायी भाव क्या है?

View Text Solution

4. उद्दीपन से आप क्या समझते हैं?

View Text Solution

5. स्थायी भाव से क्या अभिप्राय है?

View Text Solution

Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 40 शब्दों में लिखिए

1. बालगोबिन भगत के गीतों का खेतों में काम करते हुए और आते-जाते नर-नारियों पर क्या प्रभाव पड़ता था?

View Text Solution

2. लखनवी अंदाज' रचना में नवाब साहब की सनक को आप कहाँ तक उचित ठहराएँगे? क्यों?

View Text Solution

3. फादर बुल्के के भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए क्या कार्य किए?

View Text Solution

4. एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लिखिका के पिताजी के सकारात्मक और नकारात्मक गुणों का उल्लेख

कीजिए।

View Text Solution

5. बिस्मिल्ला खाँ की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई है?

View Text Solution

6. अट नहीं रही है' कविता में 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो' के आलोक में बताइए कि फागुन लोगों के मान को किस तरह प्रभावित करता है?

View Text Solution

7. शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की?

View Text Solution

8. प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा क्यों कहा गया? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

9. संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है?

View Text Solution

10. परशुराम के प्रति लक्ष्मण के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए।

View Text Solution

Delhi Set I प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 60 शब्दों में लिखिए

1. 'बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं।' 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर इस कथन को उदाहरण सहित सपष्ट कीजिए।

View Text Solution

2. जॉर्ज पंचम की लाट की टूटी नाक लगाने के क्रम में पुरातत्व विभाग की फाइलों की छानबीन की जरूरत क्यों आ गई? क्या उसने समधान संभव था? क्यों?

View Text Solution

3. यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम है। "साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तान्त के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

View Text Solution

Delhi Set Ii निर्देशानुसार उत्तर लिखिए

1. एक साल पहले बने कॉलेज में शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. जो व्यक्ति साहसी हैं उनके लिए कोई कार्य असंभव नहीं है। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. सवार का संतुलन बिगड़ा और वह गिरा गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

View Text Solution

Delhi Set Ii निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

1. किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

2. कितने कंबल बँटे? (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

3. आओ, यहाँ बैठ सकते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

4. सैनिकों द्वारा देश की रखवाली की जाती है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

Delhi Set Ii

1. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

___ घोड़ा तेज भागता है।

View Text Solution

2. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

___ लजीज होता है।

View Text Solution

3. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

__ भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है?

View Text Solution

4. वाक्यों में से रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

वह ____ सच बोलता है।

View Text Solution

5. पुस्तकालय में हिंदी के प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्राचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

6. आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रेवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

7. देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 25-50 शब्दों मे एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

View Text Solution

8. आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Delhi Set Ii प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए-

एक ओर अजगरहिं लखि, एक ओर मृगराय्।

विकल बटोही बीच ही, परयो मूरछा खाय॥

View Text Solution

2. रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

3. करुण रस' का स्थायी भाव क्या है?

View Text Solution

Delhi Set Iii निर्देशानुसार उत्तर लिखिए

1. उसने स्टेडियम जाकर क्रिकेट मैच देखा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. जैसे ही बच्चे को खिलौना मिला वह चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. मन्नू जी की साहित्यिक उपलब्धियों के लिए उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. जो शांति बरसती थी वह चेहरे पर स्थिर थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

View Text Solution

Delhi Set Iii निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

1. विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

2. मैं दीपावली पर मिट्टी की दिए जलाऊँगी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

3. हर्षिता पैदल चल नहीं सकती। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

4. तुमसे चुप नहीं रहा जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

Delhi Set Iii

1. वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

बाग में कुछ महिलाएँ _____

View Text Solution

2. वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

मुझे ___ पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है।

View Text Solution

3. वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

एक शर्त रखी कि मैं ___ जाऊँगा।

View Text Solution

4. वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए-

___ जानता, बस मन में यह था।

View Text Solution

5. यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा दो अन्य सुझाव देते हुए यातायात पुलिस आयुक्त को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

6. आपका छोटा भाई अनुराग परीक्षा में नकल करता पकड़ा गया, जिसके लिए उसे दंडित किया गया। उसे समझाते हुए पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

Delhi Set Iii प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए -

विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात

वेदना में जन्म, करुणा में मिला आवास

अश्रु चुनता दिवस इसका, अश्रु गिनती रात

जीवन, विरह का जलजात।

View Text Solution

2. वीभत्स रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

3. हास्य रस' का स्थायी भाव लिखिए।

View Text Solution